एकाग्रता व समय प्रबंधन पर ध्यान दें विद्यार्थी

आम्रपाली संस्थान में विमर्श-20 कार्यक्रम

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। विद्यार्थियों को अपने भविष्य के प्रति जागरूक रहने के लिए एकाग्रता व समय प्रबंधन पर ध्यान देना चाहिए। आज के विद्यार्थियों में क्षमता का अभाव नहीं है। पठन पाठन व ज्ञान हेतु सामग्री भी वृहद रूप से उपलब्ध है। संस्थान अथवा विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए उचित सामग्री उपलब्ध कराने एवं उनको भविष्य में बेहतर इंसान बनाने पर जोर देना है।

यह बात वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय देहरादून के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने मंगलवार को आम्रपाली संस्थान में आयोजित विमर्श-20 के दौरान कही। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया और उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अपने स्तर पर कई ऑनलाइन कोर्स एवं कौशलपरक कोर्स को पत्राचार मोड पर आयोजित कर रहा है। विश्वविद्यालय शोध और प्रोजेक्ट कार्यों के लिए भी अनुदान की व्यवस्था पर विचार कर रहा है जिसे शीघ्र लागू किया जायेगा। अपने विद्यार्थियों में सांस्कृतिक एवं खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए कौथिक कार्यक्रम का आयोजन भी विश्वविद्यालय स्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें दूर करने एवं अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट को बेहतर बनाने के लिए अपने स्तर पर एक ऐसे एप्लीकेशन का निर्माण किया है, जिसे डाउनलोड कर सभी संबद्ध संस्थानों के विद्यार्थी बेहतर प्लेसमेंट विकल्प देख सकते हैं। प्रो. सिंह ने कहा कि आम्रपाली संस्थान में उपलब्ध संसाधन, सुविधाओं व आधारभूत संरचनाओं से वह अत्यंत प्रभावित है और संस्थान के विद्यार्थियों में उपलब्ध कार्यकुशलता उन्हें नये आयाम स्थापित करने में सहयोग करेगी।

अंत में संस्थान के होटल प्रबंधन विभाग के सीओओ प्रो. एसके सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. संजना तिवारी ने किया। इस दौरान संस्थान के सचिव नरेन्द्र ढींगरा, कोषाध्यक्ष बिन्दू चावला, कार्यक्रम समन्वयक डा. एमके शर्मा सहित विभागों के निदेशक, कुलसचिव, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।